

## चौथा भारत-फ्रांस वार्षिक रक्षा संवाद

### प्रलिस के लयि:

चौथा भारत-फ्रांस वार्षिक रक्षा संवाद, भारत-फ्रांस सैन्य अभ्यास, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन ।

### मेन्स के लयि:

भारत के हतियों पर वकिसति तथा वकिसशील देशों की नीतयियों तथा राजनीतिका प्रभाव, भारत-फ्रांस संबंघ

## चरचा में कयों?

हाल ही में चौथी भारत-फ्रांस रक्षा वारता, भारत में आयोजति की गई ।



## प्रमुख बदि:

- **रक्षा औद्योगिक सहयोग:**
  - दोनों ही देशों ने 'मेक इन इंडिया' पर बल देने के साथ रक्षा औद्योगिक सहयोग पर चर्चा की ।
  - इस वारता के दौरान द्वपिकषीय, कषेत्रीय और रक्षा औद्योगिक सहयोग के मुद्दों पर वसितृत चर्चा की गई ।
- **सैन्य सहयोग:**
  - दोनों देशों ने भावी सैन्य सहयोग की समीक्षा की, जसिमें हाल के वर्षों में काफी वृद्धि हुई है ।
  - इन्होंने कई "रणनीतिक मुद्दों और हदि-प्रशांत कषेत्र पर ध्यान देने के साथ द्वपिकषीय, कषेत्रीय तथा बहुपकषीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने हेतु एक साथ काम करने की प्रतबिद्धता दिखाई ।
- **हदि महासागर कषेत्र:**
  - इस वारता के दौरान IOR (हदि महासागर कषेत्र) में समुद्री चुनौतयियों के आलोक में आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई ।
  - फ्रांस ने हदि-प्रशांत कषेत्र में अपनी भागीदारी सुनश्चिति करने और इस कषेत्र मे फ्रांसीसी रणनीतिके संदर्भ में भारत की भूमिका पर प्रकाश डाला ।
    - फ्रांस, **हदि महासागर आयोग (IOC)** और **हदि महासागर नौसेना संगोष्ठी (IONS)** का वर्तमान अध्यक्ष है और दोनों ही देश इन मंचों पर सहयोगी भूमिका में हैं ।

## भारत-फ्रांस सामरिक संबंघ:

## ■ पृष्ठभूमि:

- जनवरी 1998 में शीत युद्ध की समाप्ति के बाद फ्रांस उन पहले देशों में से एक था जिसके साथ भारत ने 'रणनीतिक साझेदारी' पर हस्ताक्षर किये थे।
- वर्ष 1998 में परमाणु हथियारों के परीक्षण के भारत के फैसले का समर्थन करने वाले बहुत कम देशों में से फ्रांस एक था।

## ■ रक्षा सहयोग: दोनों देशों के बीच मंत्रिसिरीय रक्षा वार्ता आयोजित की जाती है।

- तीनों सेनाओं द्वारा नियमित समयांतराल पर रक्षा अभ्यास किये जाते हैं; अर्थात्
  - **अभ्यास शक्ति (स्थल सेना)**
  - **अभ्यास वरुण (नौसेना)**
  - **अभ्यास गरुड (वायु सेना)**
- हाल ही में भारतीय वायु सेना (IAF) में **फ्रेंच राफेल** बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान को शामिल किया गया है।
- भारत ने वर्ष 2005 में एक प्रौद्योगिकी-हस्तांतरण व्यवस्था के माध्यम से भारत के मझगाँव डॉकयार्ड में छह स्कॉर्पीन पनडुबियों के निर्माण के लिये एक फ्रांसीसी कंपनी के साथ अनुबंध किया।
- दोनों देशों ने पारस्परिक 'लॉजिस्टिक्स सपोर्ट एग्रीमेंट' (Logistics Support Agreement- LSA) के प्रावधान के संबंध में समझौते पर भी हस्ताक्षर किये।
  - यह समझौता नियमित पोर्ट कॉल के साथ-साथ मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) के अंतर्गत अन्य देशों के युद्धपोतों, सैन्य विमानों एवं सैनिकों के लिये ईंधन, राशन, उपकरणों रखरखाव तथा आपूर्ति की सुविधा में मदद करेगा।

## ■ हृदि महासागर क्षेत्र: साझा सामरिक हति:

- फ्रांस को अपनी औपनिवेशिक क्षेत्रीय संपत्ति जैसे- रीयूनियन द्वीप और हृदि महासागर के भारतीय क्षेत्र पर पड़ने वाले इसके प्रभावों की रक्षा करने की आवश्यकता है।
- हाल ही में फ्रांस **हृदि महासागर रमि एसोसिएशन (IORA) का 23वाँ सदस्य** बन गया है।
  - यह पहली बार है कि कोई ऐसा देश जिसकी मुख्य भूमि हृदि महासागर में नहीं है और उसे IORA की सदस्यता प्रदान की गई है।
- **आतंकवाद विरोधी:** फ्रांस ने आतंकवाद पर वैश्विक सम्मेलन के लिये भारत के प्रस्ताव का समर्थन किया। दोनों देश एक नए **नो मनी फॉर टेरर' - फाइटिंग टेररिस्ट** फाइनेंसिंग पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन का भी समर्थन करते हैं।
- **फ्रांस द्वारा भारत का समर्थन:** फ्रांस भी कश्मीर को लेकर भारत का लगातार समर्थन कर रहा है जबकि पाकिस्तान के साथ उसके संबंधों में हाल के दिनों में कमी देखी गई है और चीन का दृष्टिकोण संदेहास्पद रहा है।

## ■ द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंध:

- भारत-फ्रांस प्रशासनिक आर्थिक और व्यापार समिति (India-France Administrative Economic and Trade Committee- AETC) द्विपक्षीय व्यापार तथा निवेश को और बढ़ावा देने के साथ-साथ आर्थिक ऑपरेटर्स के लाभ के लिये बाजार पहुँच के मुद्दों के समाधान को गति देने के तरीकों का आकलन करने एवं खोजने हेतु एक उपयुक्त ढाँचा प्रदान करती है।
- **अप्रैल 2000 से जून 2022 तक 10.31 बिलियन अमेरिकी डॉलर** के संचयी निवेश के साथ फ्रांस भारत में 11वाँ सबसे बड़ा वदेशी निवेशक है, जो उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (Department for Promotion of Industry and Internal Trade- DPIIT) द्वारा प्रदान किये गए आँकड़ों के अनुसार भारत में कुल FDI प्रवाह का 1.70% है।
- फ्रांस के भारत को होने वाले कुल निर्यात में एयरोनॉटिक्स की हस्तिसेदारी 50% है। भारत से फ्रांसीसी आयात में **भिसाल-दर-साल 39% (2019 की तुलना में 7%) की वृद्धि हुई है।**

## ■ वैश्विक एजेंडा:

- जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, नवीकरणीय ऊर्जा, आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और डिजिटल प्रौद्योगिकी, आदि।
- जलवायु परिवर्तन को सीमित करने और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को विकसित करने के लिये संयुक्त प्रयास किये गए हैं।
- दोनों देश साइबर सुरक्षा और डिजिटल प्रौद्योगिकी पर एक रोड मैप पर सहमत हुए हैं।

## ■ अंतरिक्ष:

- फ्रांस ने वर्ष 2025 के लिये निर्धारित भारत के वीनस मिशन का हस्तिसेदारी बनने पर सहमत व्यक्त की है।
- ISRO के वीनस उपकरण, VIRAL (Venus Infrared Atmospheric Gases Linker) को रूसी और फ्रांसीसी एजेंसियों द्वारा सह-विकसित किया गया है।

## आगे की राह:

- फ्रांस, जिसने अमेरिका के साथ अपने गठबंधन के ढाँचे के भीतर रणनीतिक स्वायत्तता की मांग की थी और भारत, जिसने स्वतंत्र वदेश नीतिको महत्त्व दिया है, अनश्चित काल के लिये नए गठबंधन के निर्माण में स्वाभाविक भागीदार हैं।
- फ्रांस वैश्विक मुद्दों पर यूरोप के साथ गहरे जुड़ाव का मार्ग भी खोलता है, विशेषकर **बरेकजिट (BREXIT)** के कारण इस क्षेत्र में अनश्चितता के बाद यह स्थिति उत्पन्न हुई।
- यह संभावना व्यक्त की गई कि फ्रांस, जर्मनी और जापान जैसे अन्य समान विचारधारा वाले देशों के साथ नई साझेदारी वैश्विक मंच पर भारत के प्रभाव के लिये कहीं अधिक परिणामी साबित होगी।

## स्रोत: द हिंदू

